Title:Situation arising out of continuous decrease in per capita availability of drinking water in the country.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, प्रकृति की मानव को जो बेजोड़ देने हैं उनमें से जल एक है। प्रकृति ने हमें जल तो दे दिया लेकिन उसके प्रयोग की व्यवस्था प्रकृति के हाथों में न होकर मानव के हाथ में है। देश में प्रतिवर्ष लगभग 4 लाख मिलियन क्युबिक मीटर जल हमें विभिन्न माध्यमों से मिलता है। करीब 1 लाख 869 मिलियन क्युबिक मीटर जल हमें नदियों के माध्मय से मिलता है। पर्याप्त जल होने के बावजूद भी प्रति-व्यक्ति जल की उपलब्धता बहुत कम है। उसका कारण यह है जल संचय की जो व्यवस्था होनी चाहिए, वह व्यवस्था पूरी तरह से नहीं है। विश्व-स्वास्थ्य-संगठन के अनुसार एक व्यक्ति को प्रतिदिन 100 लीटर पानी की आवश्यकता होती है लेकिन मेरी जानकारी के अनुसार 65 प्रतिशत परिवार ऐसे हैं जिन्हें आवश्यकता के अनुसार जल उपलब्ध नहीं है। एक सर्वेक्षण के अनुसार दिल्ली जैसे शहर में भी जल की उपलब्धता बहुत कम है। जब मैंने जल के संचय की बात कही है तो इस बार के बजट में उसके लिए केवल 100 करोड़ रुपये का ही प्रावधान किया गया है, जिसके तहत 700 जलाशयों की मरम्मत एवं पुनः निर्माण का काम होगा।

अध्यक्ष जी, पिछले एक दशक में तीन लाख जलाशय पूरे देश में बंद हो गये हैं। इसलिए एक तरफ जहां जल संचय की आवश्यकता है वहीं दूसरी तरफ जो दौलत भारत सरकार जल संचय के नाम पर देती है उसका समुचित उपयोग हो, ऐसा एक तंत्र विकसित करने की भी आवश्यकता है। दिल्ली जल बोर्ड को वर्ष 2004-2005 में 714 करोड़ रुपया आवंटित किया गया, लेकिन केवल 454 करोड़ रुपया ही खर्च हुआ। इतना ही नहीं दिल्ली जल बोर्ड द्वारा चन्द्रावल, हैदरपुर और वजीराबाद की जो योजनाएं बनाई गयी थीं, वह भी अधूरी पड़ी हैं। सीजीए की एक रिपोर्ट के अनुसार यमुना नदी का जल मानव प्रयोग के लिए उपयुक्त नहीं है।

यमुना जल को साफ करने लिए 872 करोड़ रुपया दिया गया लेकिन इसके बावजूद भी सफाई की जगह यमुना का पानी पहले से ज्यादा गंदा हुआ। दिल्ली में प्रतिदिन 719 मिलियन

गैलन प्रदूषित पानी पैदा होता है जिस में 335 मिलियन पानी ट्रीट किया जाता है जबकि ट्रीट करने की क्षमता ज्यादा है। एक तरफ आवंटित धन का प्रयोग नहीं होता है और दूसरी तरफ जल की बरबादी हो रही है। दिल्ली के उपभोक्ता को साढ़े चार रुपए प्रति-लीटर पैसा देना पड़ता है जबकि वाटर ट्रीटमैंट का खर्चा दिल्ली में सबसे कम है। दिल्ली में एक मिलियन गैलन पानी को शुद्ध करने हेतु 18 हजार करोड़ रुपए खर्च होते हैं .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: No, I would not allow you to speak like this. You have to learn to be brief and to speak to the point.

श्री रामजीलाल सुमन : मुम्बई में 22 हजार और बंगलौर में 35 हजार रुपए .(व्यवधान)

दिल्ली में सबसे अधिक पैसा पानी के नाम पर दिया जाता है। मेरा निवेदन है कि जल को संचय करने की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। दूसरा, भिन्न-भिन्न जल परियोजनाओं के लिए जो धन आवंटित किया जाता है, उसका सही इस्तेमाल हो रहा है या नहीं, यह देखा जाए। यह एक बहुत गम्भीर मामला है। अभी अप्रैल का महीना गया है। मई और जून में भयंकर गर्मी पड़ने वाली है। .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are misusing the opportunity. I am sorry.

श्री रामजीलाल सुमन : पानी को लेकर त्राहि-त्राहि मचेगी। सरकार पानी के सवाल पर गम्भीर हो। .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing more will be recorded.

(Interruptions) .*

MR. SPEAKER: I cannot allow you to speak for seven to ten minutes. No, I am sorry. Please try to be brief. This time is meant just to mention the matter and this is not a debate. We have decided to allow at least 15 hon. Members to speak and each will get a maximum of about three minutes to speak. You cannot take ten minutes. Try to be brief and specific.